अनुसूची 21—फारम सं० 113

(1663)

संपत्ति अवभार प्रमाण-पत्र

प्रमाण-पत्र संख्या ..... 19..... आवेदन सं० 6690 dt 08/5/2019

चूंकि श्री Smt कौशल्या देवी पत्नी श्री राजेन्द्र राय, मनोज कुमार एवं संतोष कुमार पिता राजेन्द्र राय

ने मेरे पास आवेदन दिया है कि निम्नांकित संपत्ति के संबंध में निर्धारित संव्यवहारों और अवभारों का संविवरण प्रमाण-पत्र दिया जाये। (आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें।)

इसलिये मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणिका में ता० 2005 to 01/01 dt से ता० ..... 19 ..... तक तलासी की गयी और ऐसी तलासी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला As per index II

चला है अतः सम्पत्ति अवभार से मुक्त है।

क्र० सं०	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारीख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्र० निदेश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Mauza - खलीमपुर थाना - & Damapur, Phulwari Sharif Plot No - 898 Sub Plot No - 898 Khata No - 51 Thana No - 54 Tauzi No - 5298 Distt - Patna Area of Plot - 18.72 decimal (06 katha).							

1. प्रमाणित के अनुसार विवरण दर्ज करें।

2. आवेदक पत्र को दिया ध्यान की कर और भुगतान की अवधि दर्ज करें। बशर्ते की उनके बारे में उल्लेख हो।

3. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक रेगान दर्ज करें।

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त संव्यवहारों और अवभारों को छोड़ उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अवभार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी की प्रमाण-पत्र तैयार किया:

(हस्ताक्षर):

(पदनाम): VDO

तलासी का सत्यापन और प्रमाण की जांच निम्न व्यक्ति ने की:

(हस्ताक्षर): Shankar

(पदनाम): V.P.C

कार्यालय: Danapur

तारीख: 8/5/19

अवर निबंधन कार्यालय

8/5/19

मुहर एवं निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर

टिप्पणी:-इस प्रमाण-पत्र में जो संव्यवहार और अवभार दिखाये गये है वे आवेदन द्वारा प्रस्तुति संपत्ति विवरण के अनुसार पाये गये हैं। यदि आवेदक द्वारा किये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं किन्हीं संपत्तियों को निबंधित दस्तावेजो में दिखाया गया हो तो वैसी दस्तावेजों से प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्जेक्शनस) इस प्रमाण-पत्र में शामिल न किये जायेगें।

2. निबंधन अधिनियम की धारा-५७ के अधीन जो व्यक्ति (बाहयों) और अनुक्रमाणियों (इन्डेन्स) की प्रवष्टियाँ देखना चाहते हों अथवा उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हैं जिन्हें निर्दिष्ट संपत्तियों के अवभारों के प्रमाण-पत्रों की जरूरत हो उन्हे तलासी स्वयं करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर बाहियाँ और अनुक्रमणियाँ उनके पास सामने रखदी जायेगी।

(क) किन्तु चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलासी नहीं की है, इसलिये कार्यालय अपेक्षित तलासी प्रमाण की किसी भूल के लिये किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

(ख) और चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासी स्वयं की है, और चूँकि उसके बाद ढूँढे गये संव्यवहारों और अवभारों को सत्यापन के बाद प्रमाण-पत्र में दिया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा ढूँढे गये ऐसे संव्यवहारों और अवभारों की छूट के लिए किसी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त संपत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

कार्यालय, जिला निबंधक Danapur

ज्ञाप संख्या 1623 दिनांक 10/5/19

आवेदक श्री smt कौशल्या devi पति राजेन्द्र राम & others

का ऋणभार प्रमाण-पत्र हेतु LIC Housing Finance Ltd.

का उनके पत्र संख्या ——— दिनांक 6/5/19 के प्रसंग में अग्रसारित की जाती है।

निबंधन पदाधिकारी,

8/5/19

SPL-460/99-2,00,000

Sub Registry Office, Danapur

Receipt for search, inspection and copy

Misc token no. Kaushaliya devi Serial no. 6690

Year Date

Received from 8529

Following fees:

F (i)- 0 F (iii)- 0 G- 0

F (ii)- 0 F (iv)- 0 G(a)- 0

Total- 0

320

Registering Officer